मध्यप्रदेश के समस्त माध्यमिक एवं प्राथमिक प्रधानाध्यापकों का

लीडरशिप आधारित प्रशिक्षण

दिनांक 07 अप्रैल 2025 से 15 जून 2025 तक

राज्य शैक्षिक प्रबंधन एवं प्रशिक्षण संस्थान (सीमेट)

भोपाल, मध्यप्रदेश

ब्रीफ नोट

प्रदेश के 75638 माध्यमिक एवं प्राथमिक प्रधानाध्यापकों

का

लीडरशिप आधारित प्रशिक्षण

स्टार्स प्रोजेक्ट अंतर्गत लीडरशिप प्रशिक्षण में प्रदेश के 52 जिलों के समस्त विद्यालयों के **75638** माध्यमिक एवं प्राथमिक प्रधानाध्यापकों को लीडरशिप आधारित प्रशिक्षण देने के लिए प्रारंभ के चरण में सीमेट भोपाल द्वारा प्रत्येक जिलों के 10-10 DRGs के प्रशिक्षण के लिए TOT प्रोग्राम आयोजित किया गया ।

इसी कड़ी में इस प्रशिक्षण के अंतिम चरण में प्रशिक्षित DRGs द्वारा अपने जिलों में माध्यमिक एवं प्राथमिक प्रधानाध्यापकों को नेतृत्व की बारीकियों से अवगत कराते हुए, कुशल नेतृत्व कैसे किया जाए, यह प्रशिक्षण दिया गया। DRGs ने यह प्रशिक्षण नीपा, दिल्ली द्वारा निर्मित एवं सीमेट, भोपाल द्वारा हिंदी अनुवादित लीडरशिप आधारित 14 मॉड्यूल के सफल नेतृत्व के लिए आवश्यक प्रत्येक क्षेत्र को विस्तृत रूप में PPT, गतिविधियों एवं केस स्टडी के माध्यम से दिया। समस्त जिलों से प्राप्त फीडबेक के अनुसार यह प्रशिक्षण शत-प्रतिशत सफल रहा।

दिनांक 15.07.2025

(दीप्ति औदिच्य)
प्रशिक्षण प्रभारी
सीमेट, भोपाल

स्टार्स प्रोजेक्ट के अंतर्गत प्रधानाध्यापकों के नेतृत्व प्रशिक्षण के लिए डीआरजी प्रशिक्षण

बैच	जिला	प्रतिभागी	दिनांक
1	11	107	9 – 13 सितम्बर 2024
2	14	133	16 – 20 सितम्बर 2024
3	13	126	21 – 23 सितम्बर 2024
4	14	125	27 – 1 दिसम्बर 2024
योग	**52**	**491**	

संभाग – सागर

संभाग	जिले	लक्ष्य	उपलब्धि
सागर	6	8313	8160

संभाग – भोपाल

संभाग	जिले	लक्ष्य	उपलब्धि
भोपाल	5	7130	6732

संभाग – शहडोल

संभाग	जिले	लक्ष्य	उपलब्धि
शहडोल	3	3341	3297

संभाग – रीवा

संभाग	जिले	लक्ष्य	उपलब्धि
रीवा	4	8107	7646

संभाग – नर्मदापुरम

संभाग	जिले	लक्ष्य	उपलब्धि
नर्मदापुरम	3	3393	3333

संभाग – उज्जैन

संभाग	जिले	लक्ष्य	उपलब्धि
उज्जैन	7	7521	7264

संभाग – जबलपुर

संभाग	जिले	लक्ष्य	उपलब्धि
जबलपुर	8	13297	12943

संभाग – इन्दौर

संभाग	जिले	लक्ष्य	उपलब्धि
इन्दौर	8	13687	13414

संभाग – चंबल

संभाग	जिले	लक्ष्य	उपलब्धि
चंबल	3	4077	4024

संभाग – ग्वालियर

संभाग	जिले	लक्ष्य	उपलब्धि
ग्वालियर	5	6772	6409

मध्यप्रदेश के लीडरशिप आधारित प्रशिक्षण में प्रशिक्षित प्राथमिक/माध्यमिक प्रधानाध्यापकों का

विवरण

क्र.	संभाग	जिले	लक्ष्य	उपलब्धि
1	भोपाल	**5**	**7130**	6732
2	चंबल	**3**	**4077**	4024
3	ग्वालियर	**5**	**6772**	6409
4	इन्दौर	**8**	**13687**	13414
5	जबलपुर	**8**	**13297**	12943
6	नर्मदापुरम	**3**	**3393**	3333
7	रीवा	**4**	**8107**	7646
8	सागर	**6**	**8313**	8160
9	शहडोल	**3**	**3341**	3297
10	उज्जैन	**7**	**7521**	7264
	कुल योग	**52**	**75638**	73222

प्रशिक्षण संबंधित समाचार

शिक्षक में एक अच्छा इंसान होना चाहिए-डॉ प्रमोद सेठिया

डाइट में 5 दिवसीय प्रधानाध्यापक लीडरशिप आधारित प्रशिक्षण आयोजित

मंदसौर. राज्य शैक्षिक प्रबंधन एवं प्रशिक्षण संस्थान भोपाल के तत्वावधान में स्टार्स प्रोजेक्ट अंतर्गत जिले के 238 शालाओं के प्रधानाध्यापकों का 5 दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न हुआ।

प्रशिक्षण प्रभारी आरडी जोशी ने बताया कि इन पांच दिवस में कुल 14 मॉड्यूल का प्रशिक्षण डीआरजी के द्वारा दिया गया। उक्त प्रशिक्षण संस्थान के पांच कक्षों में आयोजित किया गया। प्रत्येक कक्ष में एलईडी प्रोजेक्टर की व्यवस्था की गई।

प्रशिक्षण के समापन के अवसर पर संस्थान के वरिष्ठ व्याख्याता डॉ प्रमोद कुमार सेठिया द्वारा प्रशिक्षण उपरांत शाला में नेतृत्व का विकास कैसे हो उसे पर प्रकाश डाला एवं प्रशिक्षण के दौरान होने वाली गतिविधियों के माध्यम से शिक्षकों से अपेक्षा की गई कि जिस तरह का प्रशिक्षण डाइट में दिया है इसकी प्रति छाया आपकी शाला में भी दिखाई दे ऐसा प्रयास करें। शिक्षक में एक अच्छा इंसान होना चाहिए। प्रशिक्षण में लीडरशिप से संबंधित विभिन्न मुद्दों जैसे समालोचनात्मक चिंतन, टीम निर्माण नेतृत्व समावेशी कक्षा का निर्माण परिवेशक संवाद के तत्व के आदि विषयों पर प्रशिक्षणार्थियों से फीडबैक प्राप्त किया गया। प्रशिक्षण के समापन पर समस्त प्रशिक्षणार्थियों का पोस्ट टेस्ट लिया गया।

आभार संस्था के व्याख्याता रामेश्वर डांगी द्वारा व्यक्त किया गया। इस अवसर पर तकनीकी सहयोग प्रदान करने के लिए आकाश नागर एवं आयुष बर्धवा, डीआरजी आदि भी उपस्थित रहे।

प्रधानाध्यापकों को बताया कैसे करें लीडरशिप

भास्कर न्यूज | शहडोल

जिला शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान में प्रधानाध्यापकों का लीडरशिप प्रशिक्षण कार्यशाला 7 से 11 अप्रैल तक चला। कार्यशाला में जिलेभर से 100 माध्यमिक शाला से प्रधानाध्यापक शामिल हुए। जिन्हे राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग के मार्गदर्शन में जरूरी जानकारी दी गई। जिला शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान के प्राचार्य रमाशंकर गौतम ने बताया कि कार्यशाला में प्रधानाध्यापक प्रतिभागी के रूप में उपस्थित हुए। प्रशिक्षण का समापन डीपीसी अमरनाथ सिंह की मौजूदगी में हुआ।

डाइट पन्ना में प्रधानाध्यापकों का लीडरशिप प्रशिक्षण प्रारंभ

पन्ना दिनांक 23 अप्रैल 2025 डाइट पन्ना के स्वागत में चार कक्षों में प्रधानाध्यापकों का लीडरशिप प्रशिक्षण प्रारंभ मध्य प्रदेश शासन की अपेक्षा है कि विद्यालयों में प्रशासनिक क्षमता बढ़ाने के लिए प्रधानाध्यापकों को रिचार्ज किया जाए और उनकी समर्थ को बढ़ाया जाए इसके लिए उनका प्रशिक्षण आहूत किया गया है इसमें शिक्षक के विकास के लिए और शिक्षा के विकास के लिए अनेक आयाम है जिसमें माडूल के अनुसार प्रशिक्षण दिया जा रहा है इसमें पालक शिक्षक संघ से समन्वय समाज से समन्वय शिक्षकों से समन्वय और बच्चों से समन्वय करने के अनेक प्रकार के कौशलों का विकास प्रधानाध्यापकों के लिए किया जाता है पन्ना डाइट में मुख्य प्रशिक्षक प्रभारी श्री माली जी और तथा भानु प्रकाश खरे सारे लोगों के प्रयास से यह प्रशिक्षण संचालित है इसमें मत प्रशिक्षण दे रहे हैं भोपाल में लगभग 08 द्वह्न के प्रशिक्षण के माध्यम से पन्ना में यह प्रशिक्षण दिया जा रहा है इसमें प्राथमिक प्रधानाध्यापक और माध्यमिक प्रधानाध्यापकों का लीडरशिप प्रशिक्षण आहूत किया गया है ताकि शासन की मंशा के अनुसार शिक्षा में विकास किया जा सके डाइट प्रचार रवि प्रकाश एवं प्रभारी जिला शिक्षा अधिकारी के सतत प्रयास और देखरेख में यह प्रशिक्षण संचालित है यह प्रशिक्षण प्रथम सत्र का 7 अप्रैल 20 25 से 11 अप्रैल 20 25 एवं द्वितीय प्रशिक्षण 21 अप्रैल 20 25 से 25 अप्रैल 20 25 तक संचालित है इस तरह से चार चक्र में प्रशिक्षण होना है और चार कमरों में प्रशिक्षण संचालित है प्रथम प्रशिक्षण में 206 और द्वितीय प्रशिक्षण में 203 प्रधानाध्यापक को ने प्रशिक्षण लिया इसमें प्रमोद खरे और माली जी तथा भानु खरे जी का सहयोग है प्रशिक्षण प्रभारी प्रमोद जी हरिराम माली ने बताया कि यह प्रशिक्षण बहुत ही गुणवत्तापूर्ण ढंग से संचालित किया जा रहा है

दो विकासखंडों के 375 प्रधानाध्यापकों को 5 दिन में पढ़ाया जाएगा लीडरशिप का पाठ

भास्कर संवाददाता | शिवपुरी

डाइट में प्रधानाध्यापकों के छठवें चरण का आवासीय प्रशिक्षण।

जिले के शासकीय प्राथमिक और माध्यमिक स्कूलों के प्रधानाध्यापकों के लिए लीडरशिप ट्रेनिंग कार्यक्रम का आयोजन 15 अप्रैल से डाइट शिवपुरी में किया जा रहा है। यह प्रशिक्षण स्टार प्रोजेक्ट के तहत शैक्षिक एवं प्रशिक्षण संस्थान भोपाल के निर्देशानुसार संचालित हो रहा है।

प्रशिक्षण कार्यक्रम को कलेक्टर रविंद्र कुमार चौधरी और जिला पंचायत सीईओ हिमांशु जैन के मार्गदर्शन में संचालित किया जा रहा है। डाइट प्राचार्य एमयू शरीफ ने जानकारी दी कि यह प्रशिक्षण छह चरणों में संपन्न हो रहा है, जिसमें जिले के कुल 2188 हेडमास्टर भाग ले रहे हैं। सोमवार को इस प्रशिक्षण के छठे और अंतिम चरण की शुरूआत की गई, जिसमें दो विकासखंडों के 375 प्रधानाध्यापक आवासीय प्रशिक्षण में शामिल हुए। पहले दिन भोपाल से विशेष रूप से आए राज्य स्तरीय मास्टर ट्रेनरों द्वारा नेतृत्व विकास (लीडरशिप डेवलपमेंट) पर विशेष सत्र आयोजित किए गए। इस अवसर पर डाइट प्रशिक्षण प्रभारी रोहिणी अवस्थी, वरिष्ठ व्याख्याता जितेंद्र गुप्ता, अनिल चौबे, राजेश श्रीवास्तव, निधि मूले, सुचिता लकड़ा, प्रशांत गुप्ता एवं बब्लू आदिवासी सहित भोपाल से आए 10 मास्टर ट्रेनर मौजूद रहे।

कार्यक्रम

351 प्रधानाध्यापक 5 दिन के प्रशिक्षण में सीखेंगे लीडरशिप के गुर, खास टिप्स सिखाए जा रहे हैं

डाइट में प्रधानाध्यापकों के चौथे चरण का प्रशिक्षण शुरू

● शिवपुरी/ राज न्यूज नेटवर्क

जिले के सरकारी प्राइमरी और मिडिल स्कूलों के हेडमास्टरों के स्कूल प्रबंधन व नेतृत्व विकास को लेकर लीडरशिप ट्रेनिंग का आयोजन डाइट में किया जा रहा है। शैक्षिक एवं प्रशिक्षण संस्थान भोपाल के निर्देश पर स्टार प्रोजेक्ट के तहत जिले के 2188 प्रायमरी व मिडिल स्कूलों के संस्था प्रमुखों का प्रशिक्षण 6 चरणों में डाइट में आयोजित होना है।डाइट प्राचार्य एमयू शरीफ ने बताया कि प्रशिक्षण के चौथे चरण में करैरा व शिवपुरी ब्लॉक के 351 हेडमास्टरों के आवासीय प्रशिक्षण का शुभारंभ किया गया।इस दौरान भोपाल से विशेष प्रशिक्षण लेकर आए मास्टर ट्रेनरों द्वारा पहले दिन लीडरशिप प्रोग्राम के तहत के हेड मास्टरों को नेतृत्व विकास का

प्रशिक्षण दिया गया।इस मौके पर डाइट के प्रशिक्षण प्रभारी रोहिणी अवस्थी व्याख्याता सुचिता लकड़ा व्याख्याता निधि मूले व्याख्याता जितेंद्र गुप्ता अनिल चौबेएराजेश श्रीवास्तव प्रशांत गुप्ता बबलू आदिवासी व सुनील सेन सहित भोपाल से ट्रेनिंग लेकर आए राज्यस्तरीय मास्टर ट्रेनर मौजूद थे।

प्रधानाध्यापकों को दिए जा रहे स्कूल प्रबंधन व नेतृत्व विकास के दिए गए टिप्स

डाइट के प्रशिक्षण प्रभारी रोहिणी अवस्थी ने बताया कि कलेक्टर रविंद्र कुमार चौधरी एवं जिला पंचायत सीईओ हिमांशु जैन के निर्देशन में प्रधानाध्यापकों के चौथे चरण का आवासीय प्रशिक्षण सोमवार को डाइट में मां सरस्वती की पूजा अर्चना के साथ सोमवार को शुरू हुआ।स्टार प्रोजेक्ट के तहत आयोजित हो रहे प्रशिक्षण के चौथे चरण में करैरा व शेष बचे शिवपुरी ब्लॉक के प्राइमरी व मिडिल स्कूलों के हेडमास्टरों को शाला प्रबंधन एवं नेतृत्व विकास के लिए लीडरशिप का प्रशिक्षण दिया जा रहा है।पहले दिन सतत व्यवसायिक विकास को लेकर लीडरशिप पैकेज का परिचयए स्कूल में सुधार के लिए परिवर्तनकारी लीडरशिप व सीखने और विकास के लिए एक आधार के रूप में प्रशिक्षण दिया गया।इस दौरान भोपाल से विशेष ट्रेनिंग लेकर आए राज्यस्तरीय मास्टर ट्रेनर दिनेश गुप्ता नीरज मिश्रा मनीष जैन निर्मल जैन रमेश कुशवाह युसूफखान, गोपाल जैमिनी संजय श्रीवास्तव महावीर मुद्गल रामलखन राठौर रेखा रघुवंशी उर्वशी शर्मा प्रवीण कुरैशी व सुरेंद्र गुप्ता द्वारा हेड मास्टरों को शाला प्रबंधन एवं लीडरशिप के खास टिप्स सिखाए जा रहे हैं।

प्राध्यापकों का लीडरशिप आधारित प्रशिक्षण संपन्न

हरिभूमि न्यूज ▸▸ हटा

राज्य शैक्षिक प्रबंधन एवं प्रशिक्षण संस्थान भोपाल के निर्देशानुसार स्टार प्रोजेक्ट अंतर्गत प्रधानाध्यापकों में लीडरशिप की गुणवत्ता विकसित करने के लिए जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण प्राचार्य एस.के. मिश्रा के कुशल निर्देशन में संस्थान हटा में पांच दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन विभिन्न चरणों में किया गया।विगत 7 अप्रैल से प्रारंभ हुए इस प्रशिक्षण में जिले के 1326 प्रधानाध्यापकों को प्रशिक्षित किया गया जो अपने-अपने विद्यालयों में पहुंचकर प्रशिक्षण में बताए गए 14 मॉड्यूल की विभिन्न गतिविधियों को संपादित करेंगे। प्रशिक्षण में स्कूल सुधार में लीडरशिप की भूमिका, सीखने और सीखने के आधार केंद्र के रूप में विद्यालय के दायित्व,समता सिद्धांत को उपकरण के रूप में कक्षा में किस प्रकार लागू किया जाना है, सहानुभूति की कक्षा शिक्षण के दौरान क्या उपयोगिता है, विद्यार्थियों में समालोचनात्मक चिंतन क्यों आवश्यक है,समावेशी शिक्षा में दिव्यांग बच्चों को कैसे समाहित किया जाना है, समावेशी कक्षा का निर्माण किस प्रकार होगा, प्रोफेशनल लर्निंग कम्युनिटी का उपयोग कैसे करना है, व्यावसायिक शिक्षा की आधुनिक समय में विद्यार्थियों के लिए क्या उपयोगिता है, टीम निर्माण में किन बातों का प्रमुखता से ध्यान रखा जाता है, विद्यालय सुधार में हितधारकों शाला प्रबंधन समिति के सदस्य, अभिभावक, विद्यार्थी एवं सहयोगी शिक्षकों की भूमिका का क्या महत्व है साथ ही साथ स्कूल आधारित बदलाव के लिए अगली पीढ़ी की लीडरशिप कैसे तैयार की जा सकती है आदि विषयों पर प्रशिक्षण, प्रभारी एके सिंह,सहायक प्राध्यापक आरपी विश्वकर्मा, एफएलएन प्रभारी अरुण पटेल,व्याख्याता विजय बहादुर सिंह, मास्टर ट्रेनर रामस्वरूप चौरसिया, विजय आदर्श, माधव पटेल, दिनेश प्यासी, निरन सिंह, विमल पटेल,राजेश उपाध्याय एवं रेखा सिंह के द्वारा सभी प्रधानाध्यापकों को स्पष्ट किया गया प्रशिक्षण में तकनीकी सहयोग मनीष दीक्षित एवं शिरीष चौरसिया का रहा।

शाला के उचित प्रबंधन के लिए हितधारकों के साथ बनाएं मजबूत साझेदारीः शरीफ

ब्लॉक के 352 संस्था प्रमुखों के तृतीय चरण प्रशिक्षण का समापन

● शिवपुरी / राज न्यूज नेटवर्क

किसी भी राष्ट्र को अग्रणी बनाने में शिक्षा महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। लेकिन इसकी जिम्मेदारी हितधारकों की साझेदारी पर निर्भर है। इसी से ही हम और अधिक ऊंचाई तक पहुंचते हैं और एक बेहतर टीमवर्क का निर्माण होता है। यह बात डाइट प्राचार्य एमयू शरीफने डाइट में शिवपुरी व पोहरी ब्लॉक के पांच दिवसीय शाला प्रबंधन एवं लीडरशिप प्रशिक्षण के समापन अवसर को संबोधित करते हुए कही। स्टार प्रोजेक्ट के तहत जिले के 2188 प्राइमरी व मिडिल स्कूलों के हेड मास्टरों का प्रशिक्षण डाइट में चल रहा है।इस दौरान

प्रशिक्षणार्थियों को जिला शिक्षा केंद्र के डीपीसी दफेदार सिंह सिकरवार द्वारा भी संबोधित किया गया।प्रशिक्षण का पूरा इंतजाम प्रशिक्षण प्रभारी रोहिणी अवस्थी द्वारा किया गया। प्रशिक्षण के समापन सत्र के दौरान राजेंद्र पिपलोदा एवं फतेह सिंह गुर्जर द्वारा प्रशिक्षण दे रहे मास्टर ट्रेनरों का फूल मालाओं के साथ सम्मान किया गया।

डीपीसी बोले प्रशिक्षण में जो सिखाया गया उसका कक्षा कक्ष में करें जरूर उपयोग

डाइट में शिवपुरी व पोहरी ब्लॉक के 352 हेडमास्टरों के पांच दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण के समापन अवसर पर संबोधित करते हुए जिला शिक्षा केंद्र के डीपीसी दफेदार सिंह सिकरवार ने कहा कि शाला के उचित प्रबंधन और नेतृत्व क्षमता के विकास के लिए हेडमास्टरों को जो प्रशिक्षण दिया गया है। इसकी सार्थकता तभी होगी जब प्रशिक्षण में सिखाई गई बातों का कक्षा कक्ष में जाकर क्रियान्वयन करें। तीसरे चरण के प्रशिक्षण के समापन अवसर पर प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। इस मौके पर डाइट के वरिष्ठ व्याख्याता जितेंद्र गुप्ता, निधि मूले, अनिल चौबे, राजेश श्रीवास्तव, ऐप्स अतर सिंह राजोरिया, सुचिता लकड़ा प्रशांत गुप्ता व बबलू आदिवासी सहित मास्टर ट्रेनर गोपाल जैमिनी, दिनेश गुप्ता, निर्मल जैननीरज मिश्रा, मनीष जैन आदि मौजूद थे।

5 मई से शुरू होगा करैरा व शिवपुरी के चतुर्थ बैच का प्रशिक्षण

डाइट के जिला प्रशिक्षण प्रभारी रोहिणी अवस्थी ने बताया कि जिले के 2188 सरकारी प्राइमरी और मिडिल स्कूलों के संस्था प्रधानों का प्रशिक्षण 6 चरणों में आयोजित किया जा रहा है। ब्लॉक के 352 हेडमास्टरों का आवासीय प्रशिक्षण आयोजित किया गया अब 5 मई से करैरा ब्लॉक और शिवपुरी के शेष बचे हेड मास्टरों सहित 352 संस्था प्रमुखों का आवासीय प्रशिक्षण डाइट में आयोजित किया जाएगा।

डाइट में प्रधानाध्यापकों का लीडरशिप प्रशिक्षण

श्योपुर। राज्य शैक्षिक एवं प्रशिक्षण संस्थान भोपाल के निर्देशानुसार तथा कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट अर्पित वर्मा के मार्गदर्शन में डाईट श्योपुर प्रधानाध्यापकों का लीडरशिप प्रशिक्षण जारी है। गत 21 अप्रैल से शुरू हुआ तृतीय चरण का यह प्रशिक्षण 25 अप्रैल तक चलेगा। डाईट प्राचार्य श्री राघवेंद्र सिंह सिकरवार ने बताया कि उक्त प्रशिक्षण कक्षा एक से आठ तक के विद्यालयों के शाला प्रभारी एवं प्रधानाध्यापकों को दिया जा रहा है। इसके अंतर्गत सभी शाला प्रभारियों को शाला प्रबंधन, समुदाय के साथ व्यवहार, सहभागिता तथा शाला में अकादमिक वातावरण निर्माण करने आदि पर प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसके साथ ही छात्रों की उपस्थिति, शाला के स्टाफ के साथ व्यवहार, कम्युनिटी सहयोग प्राप्त करने एवं एक नेतृत्वकर्ता होने के नाते एक शाला प्रधान में क्या-क्या गुण विकसित होना आवश्यक है पर 14 मॉड्यूल के द्वारा प्रशिक्षण प्रदान

किया जा रहा है।

राज्य शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान से प्रशिक्षण प्राप्त 10 मास्टर ट्रेनर द्वारा डाइट में 8 अप्रैल से विभिन्न चरणों में प्रशिक्षण आयोजित किया गया है। अब तक तीन चरण में प्रशिक्षण पूर्ण हो गया है, जिसमें लगभग 540 प्रधानाध्यापक प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके हैं। कुल 5 चरणों में यह प्रशिक्षण पूर्ण किया जायेगा। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान के प्राचार्य श्री राघवेंद्र सिकरवार ने प्रशिक्षणार्थियो को प्रशिक्षण के बारे में बारीकी से जानकारी प्रदान करते हुये कहा कि प्रशिक्षण के माध्यम से प्राप्त सीखों को अपनी-अपनी शालाओं में उपयोग करते हुये विद्यालय को बेहतर प्रबंधन के माध्यम से अच्छा शैक्षणिक केंद्र बनाये। प्रशिक्षण की सम्पूर्ण व्यवस्था प्रशिक्षण प्रभारी राजेश त्रिवेदी द्वारा की जा रही है।

व्यवस्थित विद्यालय हेतु लीडरशिप का विकास जरूरी

प्रधानाध्यापकों का गतिविधि आधारित प्रशिक्षण प्रारंभ

भास्कर न्यूज। हटा

राज्य शैक्षणिक प्रबंधन एवं प्रशिक्षण संस्थान भोपाल द्वारा निर्देशित स्टार्स प्रोजेक्ट अंतर्गत जिले के समस्त प्रधानाध्यापकों का पांच दिवसीय गतिविधि आधारित प्रशिक्षण जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डाइट) में प्राचार्य एसके मिश्रा के निर्देशन में आयोजित किया जा रहा है। जिसमें जिले के सभी प्रधानाध्यापकों को समुदाय के साथ समन्वय, सहकर्मियों के साथ व्यवहार को संतुलित करना, छात्रों की शैक्षणिक प्रक्रियाओं को सुधारने के लिए आवश्यक प्रक्रियाओं से अवगत कराया जा रहा है। विद्यार्थियों में समालोचनात्मक सोच का विकास, सहकर्मियों के प्रति समानुभूति का भाव, विशेष

आवश्यकता वाले बच्चों का ध्यान रखा जाना, समावेशी कक्षा का निर्माण, समता एवं समानता को कैसे एक उपकरण के रूप में शिक्षण प्रक्रिया में सम्मिलित किया जा सकता है। सीखने और विकास के लिए विद्यालय किस प्रकार आधारभूत भूमिका का निर्वहन करते हैं, सतत व्यावसायिक विकास की आवश्यकता शिक्षकों के लिए क्यों बनी हुई है? व्यावसायिक शिक्षा का क्या महत्व है? प्रोफेशनल लर्निंग कम्युनिटी की स्थापना की आवश्यकता और उसका रख रखाव कैसे किया जाएगा? टीम निर्माण और नेतृत्व कैसे करें? व्यावसायिक संवाद कैसे स्थापित करें? स्कूल में सुधार के लिए हितधारकों के साथ साझेदारी में कौन-कौन सी बातों का ध्यान रखा जाना है, साथ-साथ अगली पीढ़ी को लीडर से तैयार करने के लिए तथ्यों की आवश्यकता है, आदि विषयों पर प्रधानाध्यापकों को लगातार मास्टर ट्रेनर एके सिंह, आरपी विश्वकर्मा, अरुण पटेल, विजय बहादुर सिंह, आरएस चौरसिया, विजय आदर्श, माधव पटेल, राजेश उपाध्याय, रेखा सिंह, दिनेश प्यासी, विमल पटेल, निरन सिंह द्वारा प्रशिक्षित किया जा रहा है। प्रशिक्षण 5 कक्षा में प्रोजेक्टर के माध्यम से प्रदान किया जा रहा है।

स्टार प्रोजेक्ट अंतर्गत जिले के माध्यमिक शाला के 110 प्रधानाध्यापको का 5 दिवसीय लीडरशिप प्रशिक्षण डाइट में संपन्न

रुद्रांश दर्पण शाजापुर। कार्यालय जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान डाइट शाजापुर मध्य प्रदेश में राज्य शैक्षिक प्रबंधन एवं प्रशिक्षण संस्थान सीमेंट भोपाल के द्वारा आयोजित स्टार प्रोजेक्ट अंतर्गत प्रधानाध्यापक लीडरशिप प्रशिक्षण का आयोजन प्राचार्य डाइट श्री डॉ बालेन्द्र श्रीवास्तव वरिष्ठ व्याख्याता श्रीमती अनीता श्रीवास्तव प्रशिक्षण प्रभारी श्री अशोक कारपेंटर के मार्गदर्शन एवं नेतृत्व में दिनांक 7 अप्रैल 2025 से 11 अप्रैल 2025 तक आयोजित किया गया । शाजापुर जिले के चार विकास खंड से 110 माध्यमिक विद्यालय के प्रधानाध्यापक प्रतिभागी के रूप में उपस्थित होकर प्रशिक्षण प्राप्त किए। प्रशिक्षण के दौरान प्रधानाध्यापक लीडरशिप प्रशिक्षण सीमेंट द्वारा प्रशिक्षित मास्टर ट्रेनर के द्वारा 14 मॉड्यूल पर एवं समय विभाग चक्र के अनुसार प्रशिक्षण दिया गया। आज दिनांक 11 अप्रैल 2025 को शाम 5:00 बजे प्रशिक्षण का समापन आदरणीय डाइट प्राचार्य डॉ बालेन्द्र श्रीवास्तव ने प्रशिक्षण के

प्रशिक्षण की सीख को अपने विद्यालय मे केसे उपयोग कर साकार करेगे के बारे मे समझाया वरिष्ठ व्याख्याता श्रीमती अनीताश्रीवास्तव ने प्रवेश बडाने एवं शाला को सुन्दर एवं आकर्षित बनाने एवं सभी अधीनस्थ शिक्षक का सहयोग कर शाला को सजीव बनाने पर जोर दिया प्रशिक्षण प्रभारी श्री अशोक कारपेंटर ने प्री टेस्ट एवं पोस्ट टेस्ट का विश्लेषण कर अपनी कमजोर कडी को दूर करने और हमेशा अपडेट करते रहने

श्री बी. एल. बैरागी श्री दीपक शर्मा मास्
ट्रेनर श्री विष्णु कारपेंटर जी श्री हरभान सि
श्री हेमंत वैद्य श्री शुभम शर्मा श्री वैभ
तिवारी श्रीमती रंजना रावत की उपस्थिति
प्रधानाध्यापकों को अपने विद्यालय
प्रशिक्षण मे बताए गए निर्देशानुसार संस्था व
सुचारू रूप से गति देने एवं हमेशा अप
श्रेष्ठ प्रदर्शन करने का प्रयास करने हेतु तैय
रहने की प्रतिज्ञा के साथ प्रशिक्षण व
समापन किया गया।उक्त जानकारी मिडि

शिक्षकों को शाला प्रबंधन एवं नेतृत्व क्षमता हेतु दिया प्रशिक्षण

माध्यमिक शाला के 420 व प्राथमिक के 1029 प्रधान अध्यापक हुए प्रशिक्षित

पिपलौदा » बलवास टाइम्स

जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान में स्टार प्रोजेक्ट के तहत जिले के प्राथमिक,माध्यमिक शाला प्रधान अध्यापकों का लीडरशिप आधारित नेतृत्व क्षमता विकास पांच दिवसीय प्रशिक्षण सात चरणों में संपन्न हुआ। जिले की माध्यमिक शालाओं के 420 तथा प्राथमिक शालाओं के 1029 प्रधान अध्यापकों को प्रशिक्षित किया गया।

शिक्षकों के प्रशिक्षण से होगा कौशल विकास

समापन एवं प्रमाण-पत्र वितरण के अवसर पर डॉ. नरेंद्र कुमार गुप्ता ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत प्रशिक्षण के माध्यम से शाला प्रबंधन एवं नेतृत्व क्षमता में गुणात्मक परिवर्तन के लिए शिक्षकों के व्यावसायिक एवं चिंतन, सृजनात्मक, संप्रेषण, कौशल विकास शिक्षकों के लिए शाला प्रबंधन एवं नेतृत्व क्षमता प्रशिक्षण दिया गया जो बहुत ही उपयोगी सिद्ध होगा।

शाला प्रबंधन में उपयोगी सिद्ध होगा प्रशिक्षण

व्याख्याता एवं राज्य स्तर से प्रशिक्षित राजेंद्रराव भोगलेकर ने बताया कि यह प्रशिक्षण मिश्रित मोड में दिया गया। प्रशिक्षण की विधि डिजिटल, मैन्युअल तथा इंटरएक्टिव की थी, जिसमें अधिक से अधिक सहभागिता प्रतिभागियों की रही। जो प्रधान अध्यापकों के शाला प्रबंधन में बहुत उपयोगी सिद्ध होगी।

इन्होंने भी दिया प्रशिक्षण

व्याख्याता संगीता भट्ट, अलका आचार्य, जिला समन्वयक (समावेशी शिक्षा) अंबाराम बोस, लेखपाल शेर अली खान, तेज कुमार निनामा, रामजी माल, राज्य स्तर से प्रशिक्षण प्राप्त मास्टर ट्रेनर्स विशाल पांडे, संध्या जैन, डॉ अजीत प्रसाद चौहान, सचिन पटवा, दिनेश राठौर, संजय गुप्ता, कांता अटरिया, शकीला खानम द्वारा सातों चरणों में शिक्षकों को प्रशिक्षण दिया गया।

प्रधानाध्यापकों का लीडरशिप प्रशिक्षण

अजय भारत न्यूज

जौरा,(कासं) । डाइट मुरैना में 7 अप्रेल 2025 से निरन्तर चल रहे प्रधानाध्यापकों का नेतृत्व प्रबंधन एवं कौशल विकास प्रशिक्षण शुक्रवार 30 मई 2025 को समाप्त हुआ ।

इस प्रशिक्षण में जिला मुरैना के 1745 शासकीय प्राइ?मरी एवं मिडिल स्कूलों के प्रधानाध्यापकों को प्रशिक्षित करने का लक्ष्य था जिसके विरुद्ध 1712 प्रधानाध्यापकों को डाइट मुरैना में प्रशिक्षित किया गया जो 98 प्रतिशत है ।

यह प्रशिक्षण स्टार्स प्रोजेक्ट के अन्तर्गत राज्य शैक्षिक प्रबंधन एवं प्रशिक्षण संस्थान (सीमेट) भोपाल के निर्देशन में सम्पन्न हुआ। राज्य स्तर से प्रशिक्षित जिले के अनुभवी 9 डी आरजी द्वारा 14 मॉड्यूलों पर 5 दिवसीय प्रशिक्षण प्रदान किया गया ।

प्रशिक्षण के समापन समारोह का संचालन डाइट के स्टार प्रोजेक्ट प्रभारी पंकज शर्मा द्वारा किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे डाइट प्राचार्य डॉ. एस.एस तोमर द्वारा प्रशिक्षणार्थियों को विद्यालय और समाज में एक सफल नेतृत्वकर्ता के रूप में कार्य करने की शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम में जिला निपुण प्रोफेशनल दुर्गेश सिंह, डीआरजी - सुदेश सक्सेना, केवीएस तोमर, राकेश सिंह तोमर, राघवेन्द्र सिंह तोमर भूरे सिंह तोमर विश्वनाथ गुर्जर, संगीता तोमर एवं अंजू राठौर उपस्थित रहे।

352 हेडमास्टरों के द्वितीय चरण का आवासीय प्रशिक्षण समाप्त

शाला प्रभारी विद्यालय व समुदाय के बीच समन्वय के साथ कार्य करें : डीपीसी

पिछोर@पत्रिका. राज्य शैक्षिक एवं प्रशिक्षण संस्थान भोपाल के निर्देश पर स्टार प्रोजेक्ट के अंतर्गत जिले के 2188 प्रायमरी व मिडिल स्कूलों के हेड मास्टरों का प्रशिक्षण 6 चरणों में डाइट में आयोजित किया जा रहा है। सोमवार से चल रहे पिछोर ब्लॉक के 352 हेडमास्टरों के द्वितीय चरण का आवासीय प्रशिक्षण शनिवार को समाप्त हो गया है।

हेडमास्टरों को प्रशिक्षण के बाद प्रमाणपत्र देते डीपीसी।

इस अवसर पर डीपीसी दफेदार सिंह सिकरवार ने कहा कि शाला प्रभारी विद्यालय एवं समुदाय के बीच समन्वय के साथ कार्य करें, क्योंकि विद्यालय एवं समुदाय के समन्वय के बगैर विद्यालय का विकास संभव नहीं है। इस दौरान भोपाल से प्रशिक्षण लेकर आए राज्यस्तरीय मास्टर ट्रेनरों द्वारा लीडरशिप प्रोग्राम के तहत पिछोर के 352 हेड मास्टरों को प्रशिक्षण दिया। इस मौके पर डाइट प्राचार्य एमयू शरीफए, प्रशिक्षण प्रभारी रोहिणी अवस्थी, व्याख्याता निधि मूले, व्याख्याता जितेंद्र गुप्ता, प्रशांत गुप्ता, मथुरा आदिवासी व सुनील सेन सहित भोपाल से ट्रेनिंग लेकर आए 10 मास्टर ट्रेनर मौजूद रहे। जिला प्रशिक्षण प्रभारी रोहिणी अवस्थी ने बताया कि दूसरे चरण के तहत पिछोर ब्लॉक के 352 हेड मास्टरों के पांच दिवसीय प्रशिक्षण के समापन अवसर पर सभी प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षण के प्रमाण पत्र वितरित किए गए। अब पोहरी व शिवपुरी ब्लॉक के शाला प्रभारियों का तृतीय चरण के प्रशिक्षण का 28 अप्रैल से प्रारंभ होगा जो की पूरी तरह आवासीय रहेगा।

प्रधानाध्यापक का शाला प्रबंधन एवं नेतृत्व विकास पर आधारित अंतिम चरण का प्रशिक्षण सम्पन्न

रुद्रांश दर्पण शाजापुर
प्रशिक्षण- डाइट शाजापुर

शाजापुर। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान शाजापुर में सीमेंट भोपाल द्वारा आयोजित 735 प्रधानाध्यापक का 5 दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण 4 चरणों में जिला शिक्षा अधिकारी डॉक्टर विवेक दुबे की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ जिला शिक्षा अधिकारी डॉक्टर विवेक दुबे द्वारा शिक्षकों को अपनी शाला की आवश्यकता का आंकलन कर योजना बनाना एवं उसे क्रियान्वयन करने का मार्गदर्शन दिया गया । प्रधानाध्यापक शाला समय में पूरे समय उपस्थित होकर पालकों से सतत् सम्पर्क बनाकर नामांकन में इस वर्ष में 20 प्रतिशत की वृद्धि होने पर संस्था प्रधान को पुरस्कृत किया जाएगा।

इस अवसर पर प्राचार्य डाइट डॉक्टर बालेन्द्र श्रीवास्तव द्वारा बताया गया कि प्रधानाध्यापक शाला कि मुख्य कड़ी है प्रधानाध्यापक मुख्यतः दो महत्वपूर्ण कार्य निष्पादन करता है।

1.दिशा प्रदान करना ।

2.अपने सहयोगी के साथ मिलकर शाला की गुणवत्ता में सुधार लाना

आप से यह अपेक्षा की जाती है कि आप अपना कार्य सुनियोजित ढंग से योजना बनाकर संपन्न करेंगे।

प्रशिक्षण में मास्टर ट्रेनर्स हरबान सिंह द्वारा शिक्षा का व्यवसायीकरण एवं रोज़गार परख के लिए शिक्षा,

विष्णु प्रशाद कारपेंटर द्वारा सत्तत व्यावसायिक विकास है तो लीडरशिप उत्पाद एवं समालोचना चिंतन,

वैभव तिवारी द्वारा स्कूल लीडर के व्यावसायिक विकास के लिए ज़रूरी कौशल एवं स्कूल में सुधारें को हितग्राहियों की साझेदारी, हेमंत वैध समता एक उपकरण के तौर पर एवं शिक्षा में उत्कृष्टता के लिए प्रोफ़ेशनल लर्निंग कम्युनिटी की स्थापना,

विजय जैन द्वारा सीखने और विकास के लिए यह एक आधार के रूप में विद्यालय, अरुण पाटीदार द्वारा टीम के सदस्यों के बीच व्यावसायिक संवाद, श्रीमती रंजना रावत द्वारा समावेशित शिक्षा नीतियाँ एवं समावेशी कक्षा का निर्माण करने ।

श्री शुभम शर्मा द्वारा भारत में स्कूल के प्रधानाचार्यों की भूमिका पर चर्चा की गई। सभी मास्टर ट्रेनर्स द्वारा अपने अपने विषय पर प्राध्यापकों से संवाद किया गया।

कार्यक्रम का संचालन मास्टर ट्रेनर्स हरभान सिंह द्वारा किया गया एवं प्रशिक्षण के बारे में चर्चा प्रशिक्षण प्रभारी अशोक कारपेंटर द्वारा की गई प्रशिक्षण का आभार मास्टर ट्रेनर्स हेमंत वेद द्वारा किया गया इस अवसर पर वरिष्ठ व्याख्याता श्रीमती अनीता श्रीवास्तव, व्याख्याता महेश भेसानिया,बी एल बैरागी, दीपक शर्मा एवं समस्त डाईट स्टाफ उपस्थित रहा। उक्त जानकारी मिडिया प्रभारी बीएसी प्रमोद गुप्ता द्वारा दी गई।

स्कूल के बेहतर प्रबंधन और विकास के लिए प्रधानाध्यापक को अपडेट रहना होगा - डाइट प्राचार्य शुक्ला नागदा (धार)

राज्य शिक्षा केंद्र भोपाल के निर्देशानुसार डाइट धार में जिले की सभी शासकीय प्राथमिक और माध्यमिक शालाओं के प्रधानाध्यापकों को विकासखंड वार पांच दिवसीय लीडरशिप प्रशिक्षण दिया गया। नीपा एवं एन सी एस एल द्वारा नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के प्रभावी क्रियान्वयन के संदर्भ में तैयार मॉड्यूल का राज्य शैक्षिक प्रबंधन एवं प्रशिक्षण संस्थान भोपाल(सीमेट) द्वारा तैयार इस योजना में 6 मुख्य क्षेत्र पर आधारित 14 मॉड्यूल्स पर प्रशिक्षण दिया जा गया। जिसमें मुख्य रूप से सतत व्यावसायिक विकास हेतु लीडरशिप पाथ, विद्यालय सुधार हेतु परिवर्तनकारी नेतृत्व, भारत में प्रधानाध्यापकों की भूमिका का पुनः परिभाषिकरण, सीखने और विकास के लिए एक आधार के रूप में विद्यालय, विद्यालय नेतृत्व परिवर्तन के लिए मार्गदर्शक सिद्धांत, समानता और समता, समता एक अवधारणा के रूप में, समता एक उपकरण के रूप मेंएसहानुभूति विद्यालय प्रमुखों के व्यावसायिक विकास के लिए महत्वपूर्ण कौशल, एजुकेशन फॉर क्रिटिकल थिंकिंग, राष्ट्रीय स्तर की समावेशी शिक्षा नीति, दिव्यांग बच्चों के संदर्भ में शिक्षण अधिगम प्रक्रियाओं का रूपांतरण, हितधारकों के साथ विद्यालय उन्नयन हेतु साझेदारी, स्कूल आधारित बदलाव के लिए आगामी लीडरशिप तैयार करना पर विस्तार से मास्टर ट्रेनर्स व्याख्याता भूषण देशपांडे, कमलसिंह ठाकुर, श्रीमती शर्मीला रावल, ठाकुर लाल मालवीय, प्रमोद जायसवाल, जितेन्द्र शर्मा, अजीम प्रेमजी फाउंडेशन के संदीप शर्मा ने बेहतरीन तरीके से प्रशिक्षण दिया। इस अवसर पर डाइट प्राचार्य मनोज शुक्ला ने कहा कि - स्कूल के बेहतर प्रबंधन और विकास के लिए प्रधानाध्यापक को वर्तमान में प्रचलित नई - नई तकनीक कौशल से अपडेट रहना होगा तभी आप अपने विद्यालय को बेहतर बनाने में कामयाब होगे। इस प्रशिक्षण में बदनावर विकास खंड के प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालय के प्रधानाध्यापक गोपाल कौशल, रणजीत सिंह चौहान, ईश्वर परमार, श्रीमती नीतू दुबे, शीतल सावंत, कैलाश मंडलोई, कैलाश रावल, ईश्वर सिंह जादव, नारायण चौधरी, रामचंद्र जाट, भगवान सिंह चौहान, अनिल शर्मा लक्ष्मण चौरड़िया ने सहभागिता करते हुए लीडरशिप प्रशिक्षण के माड्यूल के लक्ष्यो में प्रमुख रूप से स्वयं को एवं अपने स्कूल को रोल मॉडल के रूप में विकसित करना, शिक्षकों के कार्यों की निरंतर समीक्षा करना, स्कूल के छात्रों को शुरुआत से ही प्रतियोगी परीक्षाओं के लिये तैयार करना, स्वास्थ्य की देखभाल करना, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा हेतु पालकों को बच्चों के प्रत्येक टेस्ट की कॉपियों का अवलोकन कराना, शाला विकास में पालकों एवं जनप्रतिनिधियों का सहयोग लेना, आकर्षक पुस्तकालय स्थापना, सत्र के प्रारंभ से ही टाइम टेबल के अनुसार अध्यापन की गतिविधि आदि पर अपने विचार व्यक्त किए। प्रशिक्षण के अंतिम दिवस प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गये।

प्रतिवेदन

⬇ प्रधानाध्यापकों का लीडरशिप आधारित प्रशिक्षण ⬇

डाइट मुरैना में 7 अप्रैल 2025 से निरंतर चल रहे प्रधानाध्यापकों का नेतृत्व प्रबंधन एवं कौशल विकास प्रशिक्षण आज 30 मई 2025 को समाप्त हुआ।

इस प्रशिक्षण में जिला मुरैना के 1745 शासकीय प्राइमरी एवं मिडिल स्कूलों के प्रधानाध्यापकों को प्रशिक्षित करने का लक्ष्य था जिसके विरुद्ध 1712 प्रधानाध्यापको को डाइट मुरैना में प्रशिक्षित किया गया जो 98% रहा।

यह प्रशिक्षण स्टार्स प्रोजेक्ट के अंतर्गत राज्य शैक्षिक प्रबंधन एवं प्रशिक्षण संस्थान (सीमेट) भोपाल के निर्देशन में संपन्न हुआ।

राज्य स्तर से प्रशिक्षित जिले के अनुभवी 9 डीआरजी जी द्वारा 14 मॉड्यूल पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

यह प्रशिक्षण आठ चरणों में चार-चार बैच बनाते हुए कुल 32 बेचों में संपन्न किया गया।

प्राचार्य
डाइट मुरैना म.प्र.

-----00----